वर्ष-2, अंक-5, अक्टूबर से दिसम्बर, 2020, मूल्य 50/- रु0

कामये दुःखतप्तानां प्राणिनामार्तिनाशनम्

यत्र विश्वं भवत्येक नीड़म्

ॐ आरोह तमसो ज्योतिः ॐ

देवरहा प्रसाद

भक्ति, ज्ञान और वैराग्य की त्रैमासिकी

पंचम संस्करण

संत, भक्त, श्री हरिचरित, श्री देवरहा परसाद।
यह है श्री रघुवीर का, निज पावन प्रासाद।।

आश्रम में
श्री विद्या साधना
का दृश्य

दीपावली पूजन
करते महाराज श्री

आश्रम में अन्न क्षेत्र

प्रार्थना

अब कृपा करो सद्गुरू भगवन्,
जिससे मन निर्मल हो जाए।
चिंतन जिससे हरि-चरण का हो,
वह निर्मल मति अब बन जाए।।
छल, दंभ, द्वेष, पाखंड, झूठ,
इनसे मन में विरती उपजै।
नैतिकता का पथ सुदृढ़ हो,
सेवा का भाव हिये उपजै।।
हैं, दीन, हीन, जो धरती पर,
जिनकी सेवा का ऋण मुझ पर।
उनकी सेवा कर वसुधा पर,
हम तेरी कृपा को पा जाएँ।।
जीवन हो ऐसा शुद्ध, सरल,
जिससे सब जीव सुखारी हों।
सारी सृष्टी में सुख फैले,
कोई न कहीं भी दुखारी हो।।
हो मानव-मानव का प्रेमी,
पौरूषता उसकी पोषक हो।
गुण, शील पूर्वजों का गाकर,
मानवता का उद्घोषक हो।।
सभी भद्र हों, सभी गुणी हों,
सभी धर्म व्रतधारी हों।
प्रार्थना "अश्रु" की बस इतनी,
सब मानवता व्रतधारी हों।।

- रामदास "अश्रु"

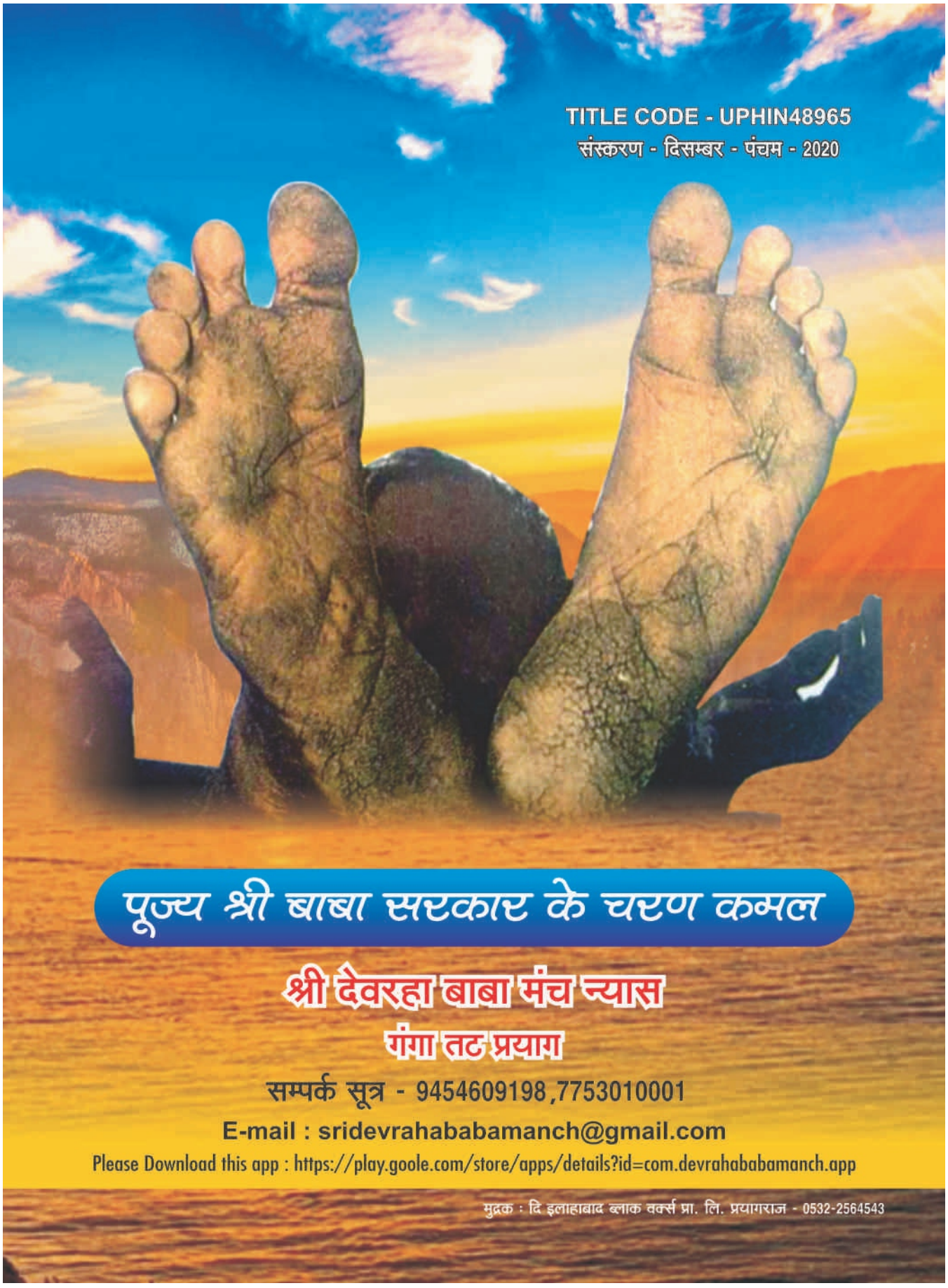

TITLE CODE - UPHIN48965

संस्करण - दिसम्बर - पंचम - 2020

पूज्य श्री बाबा सरकार के चरण कमल

श्री देवरहा बाबा मंच न्यास

गंगा तट प्रयाग

सम्पर्क सूत्र - 9454609198,7753010001

E-mail : sridevrahababamanch@gmail.com

Please Download this app : https://play.goole.com/store/apps/details?id=com.devrahababamanch.app

मुद्रक : दि इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. प्रयागराज - 0532-2564543